काला काला मंदिर काली काली चुनरी कालका आण बंधाईए धीर

काला काला मंदिर काली काली चुनरी,
काला काला तेरा शरीर,
कालका आण बंधाईए धीर,
तेरे भक्त ने तेरी जोत प,
पड़या बहावणा नीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

तेरी जोत प संकट खेल:,
जगा दिए री तकदीर,
कालका आण बंधाईए धीर।
एक हाथ में खपर लेरी,
दुजे में समसीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

तेरा काली भोग लगाऊं,
समसाणां में बणा खीर,
कालका आण बंधाईए धीर।
संकट बैरी बुबकार:,
मेर:लगं कसुते री तीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

अंगारी प छीटा दे दिया,
या स भेठ अखीर,
कालका आण बंधाईए धीर।
दरबारां में अकड़या भेठया,
रेवाड़ी का हीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

आज तलक तन्नै काटी स,
सदा संकट की जंजीर,
कालका आण बंधाईए धीर।
पान और पेड़ा लौंग सुपारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दयूंगा सिर का चीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

अशोट भक्त प हाथ धरया,
तन्नै करया भक्ति में शीर,
कालका आण बंधाईए धीर।
भोग लिए बिना आव:,
ना मैं जाणु तेरी तासीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

काला काला मंदिर काली काली चुनरी,
काला काला तेरा शरीर,
कालका आण बंधाईए धीर,
तेरे भक्त ने तेरी जोत प,
पड़या बहावणा नीर,
कालका आण बंधाईए धीर।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com